‘मार्ग ही गुरू है और गुरू ही मार्ग है दोनों में कोई अंतर नहीं है ।’

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 09 | इंदौर, बुधवार 29 जुलाई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

|| हमारो प्रणाम ||

गुरूपूर्णिमा व्यासपूर्णिमा आषाढ़ीपूर्णिमा

स्मृति सुखद प्रहरों के लिए
अपने खंडहरों के लिए
यह जान लो मैं विश्व की
संपत्ति चाहूँगा नहीं
वरदान माँगूँगा नहीं
क्या हार में क्या जीत में
किंचित नहीं भयभीत मैं
संघर्ष पथ पर जो मिले
यह भी सही वह भी सही
वरदान माँगूँगा नहीं
चाहे हृदय को ताप दो
चाहे मुझे अभिशाप दो
कुछ भी करो कर्तव्य पथ
से किंतु भागूँगा नहीं
वरदान माँगूँगा नहीं

-शिवमंगल सिंह सुमन

प्रदर्शनकारी और पुलिस, दोनों के आरोपों की जांच के लिए पैनल जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को हालिया छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की ज्यादतियों और पुलिसकर्मियों पर हमलों के आरोपों की स्वतंत्र जांच का रास्ता साफ कर दिया। कोर्ट ने माना कि आरोपों से प्रथम दृष्टया ऐसा मामला बनता है, जिसके लिए एक उच्च-स्तरीय पैनल द्वारा विस्तृत, निष्पक्ष और तटस्थ जांच की जरूरत है। साथ ही, कोर्ट ने बिना किसी आपराधिक रिकॉर्ड वाले हिरासत में लिए गए सभी नाबालिगों को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश की बेंच ने केंद्र सरकार, दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, असम, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को नोटिस जारी किए। बेंच ने कहा कि देश भर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों से जुड़े अलग-अलग आरोपों का समाधान बिना किसी निष्पक्ष और सबूत आधारित जांच के नहीं किया जा सकता।

MORARI BAPU

सत्य-प्रेम-करुणा...

गुरू में पंच परम तत्व...

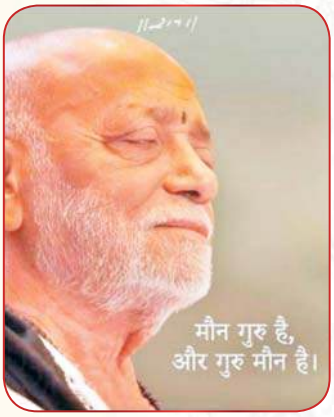

मेरे भाई बहन... हम पंचतत्व से परिचित हैं ... पृथ्वी... आकाश... अग्नि ... तेज अथवा तो प्रकाश... वायु... जल...

त्रिभुवनीय दिन है गुरु पूर्णिमा .... तो इसी कथा में हम सब संवाद के रूप में जगत भर के गुरुओं की वंदना कर लें... सभी आचार्यों की वंदना कर लें... सभी बुद्ध पुरुषों की वंदना कर लें... सभी परमहंसों की वंदना कर लें... सभी अवधूतों की वंदना कर लें ... परम साधुओं की वंदना कर लें ...क्यों?.... इसलिए कि हमारे में पांच तत्व है... लेकिन गुरु ये तत्व नहीं है... गुरु परम तत्व है ... नास्तितत्वं गुरोपरम ....

1.... पृथ्वी

पृथ्वी तत्व है... लेकिन गुरु परम तत्व है हम सब जानते हैं पृथ्वी में भूचाल आता है. पहाड़ टूटते है.. अस्तव्यस्त सब हो जाता है... पृथ्वी कैंप जाती है.. कई मुल्कों में पृथ्वी से लावा निकलता है और मीलों तक सब भूमि भस्मीभूत हो जाती है।

लेकिन परम तत्व जो गुरु है उसमें कभी भूचाल नहीं आता ये अकंप है. डोले वो गुरु नहीं... डोला दे वो गुरु..... परम तत्व गुरु वो है जिसमें कभी लावा नहीं निकलेगा... किसी गुरु में से कभी ऐसा लावा निकले और सबको भस्मीभूत कर दे.. श्राधों का जगत पुराणों में है... क्रोध किया किसी को भस्म कर दिया... बुद्ध पुरुष में ये नहीं होता... गुरु के समान धैर्यवान और सहनशील विश्व में कोई नहीं इसलिए वो तत्व नहीं है... परम तत्व है.

2... जल...

हमारे में जल है.. गुरु परम तत्व होते हुए उसमे सब प्रकार का जल है.. सरोवर का जल है... उसके अंतःकरण का जलाशय निर्मल है... गुरु परिश्रमी होता है... जगत के लिए परिश्रम करता है.. गुरु सागर का जल है. विवेक का सागर... ये कृपासिंधु है... करुणा सिंधु... गुरु बहती गंगा है... चलता हुआ तीर्थ है....

3... अग्नि ...

हमारे जैसे शरीर में अग्नि है... ज्यादा हो तो हम जल जाये ... गुरु में ज्ञानाग्नि है जिसने ज्ञान की अग्नि में समस्त कर्मों को... प्रारब्ध संचित क्रियमाण... कोई कर्म उसके पास अगल-बगल में घूमता नहीं... प्रेमी बुद्ध पुरुष में विरह की अग्नि होती है... हे गोविंद.....हे गोविंद... है गोविंद -

4... वायु....

हमारे शरीर में तत्व है वायु वायु के 3 गुण है शास्त्रों में मंद सुगंध शीतल... गुरु परम तत्व है तब उसको जो समीर है उसके पास जो बैठा हो तब सामने वाले का पात्र कितना है ऐसे रूप में ये मंद... मध्यम...या तो उच्च वायु हो जाती है... वो वायु कायम मंद चलता है लेकिन कभी कभी जरूरत पड़े कि नहीं इसका अधिकार और हो चुका है यहां धीरे-धीरे नहीं. यहां एक धड़ाका करने की जरूरत है.. गुरु का सानिध्य ये बिल्कुल शरीर के निकट बैठना नहीं हों उसकी भी महिमा जरूर है...I know...but दूर बैठे हुए भी ये महसूस हो सकता है... शीतलता लगे एक छाँव लगे जो शांति दे वो बुद्ध पुरुष और उसके दास नहीं उसके दास हो उसके भी हम दास बन जाएं

गुरु एक ऐसी शीतलता है वो रिमोट अपने पास रखता है कि उसके पास बैठने से कितनी उसको शीतलता देनी कितनी नहीं देनी कहीं वो जडता की जाड ना लग जाए... ज्यादा शीतलता उसमें तो जडता ना आ जाए कि हम तो ये है

खुशबू... प्रत्येक शरीर में गंध होती है.. लेकिन बुद्ध पुरुष में एक नूरानी खुशबू होती है... एक डिवाइन स्मेल... टोटली डिवाइन... ये दुनिया के किसी भी इत्र में नहीं है.... किसी भी परफ्यूम में नहीं है चाहे पैरिस से ले आओ परफ्यूम...

5.... आकाश.....

बुद्ध पुरुष के पास घटाकाश मठाकाश ये तो है लेकिन परम तत्व होने के कारण उसके पास कौन सा आकाश होता है?... रुद्राष्टक में लिखा है चिदाकाशमाकाश वासं भजेहम इस आकाश में ऐसे कई आकाश गायब हो जाते है... निराकार..... आकार... सब जिस में समाया हुआ है. ये आकाश निराकार है लेकिन ऐसे कोटि-कोटि आकाश जिसमें है वो परात्पर ब्रह्म मेरा राम है परम तत्व के रूप में जो पुरुष में आकाश होता है वो सब को अपनी बाहों में समाविष्ट करता है-उसका आकाश छोटा नहीं.

।। राम कथा मानस कर्णप्रयाग।।

जनसुनवाई में पहुंचे 46 मामले

आयुक्त ने दिए तत्काल निराकरण के निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने जनसुनवाई कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान निगम के सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री और विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य, रिमूवल, सीवरेज और जनकार्य विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 46 आवेदन प्राप्त हुए। निगमायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की समस्या सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को आवेदन तत्काल प्रेषित करते हुए नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े।

24 घंटे में होगा विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में 26 दिनों तक चले छात्र आंदोलन के बाद जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष हेल्पलाइन शुरू की है। मंगलवार को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम रोशन राय को 23 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा, जिसके बाद कलेक्टर कार्यालय ने हेल्पलाइन नंबर 0731-2431117 जारी किया। प्रशासन ने दावा किया है कि इस नंबर पर मिलने वाली शिकायतों का निराकरण 24 घंटे के भीतर किया जाएगा। छात्र प्रतिनिधियों ने बताया कि ज्ञापन में प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई, सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर जल्द भर्ती, एमपीपीएससी और एमपीईएसबी का नियमित परीक्षा कैलेंडर जारी करने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं।

दिल्ली की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की कवायद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर बनने वाला इंदौर अब राष्ट्रीय स्तर पर शहरी स्वच्छता और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का नॉलेज हब बनता जा रहा है। इसी दिशा में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का एक उच्चस्तरीय प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रतिनिधिमंडल इंदौर पहुंचा है।

दो दिन तक अध्ययन दौरे के दौरान दल इंदौर नगर निगम की अत्याधुनिक कचरा संग्रहण प्रणाली, स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण, प्रोसेसिंग प्लांट, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम तथा वेस्ट मैनेजमेंट के नवाचारों की स्टडी करेगा।

दरअसल, पिछले सप्ताह दिल्ली प्रवास के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव और दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के बीच हुई डिटेल बातचीत में इंदौर के स्वच्छता मॉडल और वेस्ट मैनेजमेंट की सफलता प्रमुख विषय रहे, जिसके बाद उपराज्यपाल ने दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों का प्रतिनिधिमंडल इंदौर भेजने का निर्णय लिया, ताकि इस मॉडल का गहराई से स्टडी कर उसे दिल्ली में लागू करने की दिशा में ठोस कार्ययोजना बनाई जा सके।

प्रतिनिधिमंडल में अतिरिक्त आयुक्त (DEMS) अरुण कुमार मिश्रा (आईएएस), उपायुक्त कनिका (आईएएस), उपायुक्त मोहित बंसल (आईटीएस), मुख्य अभियंता अजय अग्रवाल और अधीक्षण अभियंता एस.डी. तोमर शामिल हैं। दौरे के पहले दिन प्रतिनिधिमंडल ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मुलाकात कर इंदौर मॉडल की अवधारणा, उसके क्रियान्वयन, तकनीकी नवाचारों और व्यवहार परिवर्तन आधारित रणनीतियों पर बात की। दूसरे दिन अधिकारी शहर की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, स्रोत पर पृथक्करण, ट्रांसफर सिस्टम, प्रोसेसिंग प्लांट, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और संपूर्ण वेस्ट मैनेजमेंट चेन का मैदानी अवलोकन करेंगे। इधर, महापौर ने विश्वास जताया कि यदि इंदौर का वैज्ञानिक, तकनीक आधारित और जनभागीदारी वाला स्वच्छता मॉडल दिल्ली में प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो राजधानी की सफाई व्यवस्था में व्यापक और सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

इधर, मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के सांसद रॉय बटलर के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर नगर निगम की एकीकृत वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली का अध्ययन किया। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण, राजशाही गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन, बायो-सीएनजी प्लांट, मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रसंस्करण व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने महापौर के साथ बैठक में सेग्रीगेशन, अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन, रीसाइक्लिंग और तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था पर डिटेल में बातचीत की।

इंदौर की बेटी सारा ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में जीता चुनाव, सचिव बनी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। उच्च शिक्षा के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ रही इंदौर की बेटी ने विदेश में अपना परचम लहराया है। सारा लुणावत ने ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसायटी के चुनाव में जीत हासिल की है। वह इंदौर की पहली छात्रा हैं, जिन्होंने चुनाव जीतकर सचिव पद प्राप्त किया है।

लंबे समय बाद किसी भारतीय छात्रा ने यह सफलता हासिल की है। सारा को चुनाव में 900 में से 523 वोट मिले और वह विजयी रहीं। इस सफलता पर खुशी जताते हुए सारा ने कहा कि जिन उम्मीदों के साथ मतदाताओं ने उन्हें चुना है, वे उन उम्मीदों पर खरी उतरने और विद्यार्थियों के हितों के लिए काम करने की पूरी कोशिश करेंगी। सारा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में विधि (कानून) विषय की छात्रा हैं। वह एक वर्ष पहले इंदौर से पढ़ाई के लिए वहाँ गई थीं। ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसायटी के चुनाव जून में हुए थे। सारा ने सचिव पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। उन्हें विश्वास था कि वे चुनाव जीतेंगी। 26 जुलाई को जब चुनाव परिणाम घोषित हुए, तो सारा सचिव पद का चुनाव जीत गईं। सारा ने बताया कि ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसायटी में पुरुष पदाधिकारियों की संख्या अधिक है। ऐसे में एक छात्रा के रूप में चुनाव लड़ना और जीत हासिल करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने इस चुनौती को स्वीकार किया और चुनाव लड़ा।

पेड़ लगाना आसान, संरक्षण एक चुनौती - महापौर

इस साल इंदौर में लगाए जाएंगे 21 लाख पौधे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। स्वच्छता में देशभर में पहचान बना चुके इंदौर ने अब क्लीन सिटी से ग्रीन सिटी बनने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मंगलवार को अहिल्या उपवन में 21 हजार पौधों के महा वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सपत्नीक पौधारोपण कर किया।

अभियान के तहत लगाए जा रहे पौधों में अधिकांश फलदार पौधे हैं, जिन्हें विकसित कर पूरे क्षेत्र को डेंस फॉरेस्ट और फल वाटिका के रूप में तैयार किया जाएगा।पौधारोपण में स्कूली के स्टूडेंट्स, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि और आमजन ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। महापौर ने कहा - पर्यावरण संरक्षण की दिशा में केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों को संरक्षित कर उन्हें वृक्ष बनाना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। नगर निगम इसी सोच के साथ कार्य कर रहा है। शहर में विभिन्न विकास एवं निर्माण कामों के दौरान जिन पेड़ों को हटाना पड़ा, उनकी क्षतिपूर्ति के रूप में अहिल्या उपवन

में 5 से 8 फीट ऊंचाई के फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। महापौर ने कहा कि अगले तीन सालों तक उद्यान एवं पौधों की नियमित देखरेख, सिंचाई एवं संरक्षण का काम एक अधिकृत एजेंसी करेगी, ताकि लगाए गए पौधे विकसित होकर घने पेड़ों का रूप ले सकें। अब हमारा लक्ष्य क्लीन सिटी से ग्रीन सिटी बनने का है।इस साल सीएम डॉ. मोहन यादव और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में पूरे इंदौर में 21 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है।

बिना पर्चे के बेची जा रही थी गर्भपात दवा मेडिकल सील, 6 को नोटिस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बिना डॉक्टर के पर्चे के गर्भपात में उपयोग होने वाली दवा बेचने पर औषधि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एमवाय हॉस्पिटल के सामने स्थित कार्तिक केमिस्ट को सील कर दिया। यह कार्रवाई नियंत्रक मनोज पुष्प के आदेश तथा कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) के निर्देश में की गई।

27 जुलाई को औषधि निरीक्षकों की टीम ने थाना संयोगितागंज पुलिस के साथ संयुक्त छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान मेडिकल स्टोर पर गर्भपात में उपयोग होने वाली कॉन्ट्रा किट दवा का बिना चिकित्सकीय पर्चे के अवैध विक्रय किया जाना पाया गया। इसके बाद विभाग ने देर रात तक कार्रवाई करते हुए मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। मामले में संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई जारी है। औषधि विभाग के अनुसार जिले में

मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 13 मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया जा चुका है, जिनमें से 6 पर विभिन्न अनियमितताएं मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल स्टोर्स पर फार्मासिस्ट की अनिवार्य उपलब्धता, नार्कोटिक्स श्रेणी की दवाओं के विक्रय और गर्भपात संबंधी दवाओं की बिक्री की नियमित जांच आगे भी जारी रहेगी। बिना वैध चिकित्सकीय पर्चे के प्रतिबंधित या नियंत्रित दवाओं का विक्रय करने वाले मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम कर्मचारियों का मार्च

कैलाश विजयवर्गीय के घर जाने से पहले पुलिस ने रोका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम कर्मचारियों से जुड़े संगठनों का 11 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना लगातार 12वें दिन भी जारी रहा। मंगलवार को बड़ी संख्या में कर्मचारी और वाल्मीकि समाज के लोग कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नंदा नगर स्थित निवास पर ज्ञापन सौंपने के लिए रैली निकालकर पहुंचे। हालांकि, पुलिस ने पहले ही रास्ते में बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक लिया।

दरअसल, नगर निगम कर्मचारियों को नियमित करने समेत 11 सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले 12 दिनों से रीगल चौराहे पर धरना दिया जा रहा है। इस

आंदोलन को वाल्मीकि समाज सहित कई सामाजिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लगातार 12 दिनों के धरने के बावजूद उनकी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हुई। इसी के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में कर्मचारी और समर्थक मार्च निकालते हुए कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निवास की ओर रवाना हुए। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने विभिन्न चौराहों पर बैरिकेड्स लगाकर रैली को रोक दिया।

प्रदर्शनकारियों को मंत्री निवास से कुछ दूरी पहले ही रोक लिया गया। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और नगर निगम की एमआईसी सदस्य ने प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन प्राप्त किया। उन्हें आश्वासन दिया गया कि उनकी 11 सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित विभाग तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक लौट गए। प्रदर्शन के दौरान किसी भी तरह का विवाद या अप्रिय घटना सामने नहीं आई। अब सभी की नजर इस बात पर है कि नगर निगम कर्मचारियों की मांगों पर संबंधित विभाग और सरकार क्या निर्णय लेती है।

तीन साल में बने चार संभागायुक्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर का संभागायुक्त पद भी तबादलों की तेजी का शिकार हो चुका है। बीते पंद्रह वर्षों में तबादलों की यह परंपरा रही है कि इंदौर में संभागायुक्त दो से तीन साल तक पद पर बने रहे हैं, लेकिन बीते तीन वर्षों में तीन संभागायुक्त बदल गए।

निवर्तमान संभागायुक्त सुदाम खाड़े का तो एक साल का कार्यकाल भी पूरा नहीं हुआ था और उनका तबादला भोपाल हो गया। अब भास्कर लाक्षाकार को जिम्मेदारी मिली है। देखना दिलचस्प होगा कि वे अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा करते हैं या फिर उनका तबादला भी जल्दी हो जाएगा। आईएएस संजय दुबे 3

मार्च 2013 को इंदौर के संभागायुक्त बने और 30 अप्रैल 2018 तक इस कुर्सी पर टिके रहे। वे पांच वर्षों तक इंदौर के संभागायुक्त रहे। उनके कार्यकाल में अंगदान, ग्रामीण इलाकों को खुले में शौच से मुक्ति, ज्ञानदान सहित कई प्रोजेक्ट चले और सफल भी रहे। आकाश त्रिपाठी भी 18 माह तक संभागायुक्त रहे। तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। उनके कार्यकाल में सरदार सरोवर बांध भरने के कारण नर्मदा नदी किनारे के गांवों में आई डूब और विस्थापन का काम हुआ। हालांकि भाजपा की सरकार आने के बाद उनकी भी रवानगी हो गई और पवन कुमार शर्मा संभागायुक्त बने। वे भी ढाई साल तक इस पद पर रहे। इंदौर में बीते वर्षों में तीन संभागायुक्त बदल चुके हैं। सबसे तेज तबादला माल सिंह का हुआ। वे 1 अगस्त 2023 को इंदौर के संभागायुक्त बने और 12 मार्च 2024 को उनका तबादला हो गया। वे साढ़े छह माह तक संभागायुक्त रहे। उनकी रवानगी के बाद दीपक सिंह संभागायुक्त बने, लेकिन वे भी तीन साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए। डेढ़ साल में ही उनका तबादला हो गया।

अवैध होर्डिंग पर हाईकोर्ट सख्त, कहा-

अवैध होर्डिंग लगाने वालों पर हो एफआईआर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में अवैध होर्डिंग लगाने का मामला हाईकोर्ट पहुंच चुका है। मंगलवार को याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए नगर निगम अधिकारियों से कहा कि अवैध होर्डिंग को लेकर वर्ष 2022 में जबलपुर हाईकोर्ट ने आदेश दिया था। इसके अलावा सरकार ने भी वर्ष 2019 से अवैध होर्डिंग को लेकर नियम बना रखे हैं। उनका पालन क्यों नहीं हो रहा है?

कोर्ट ने कहा कि यदि अवैध होर्डिंग की शिकायत प्राप्त होती है तो उसे लंबित न रखा जाए। अवैध होर्डिंग हटाने की कार्रवाई 24 घंटे के भीतर शुरू की जाए और ऐसा करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। याचिका में कहा गया था कि अवैध होर्डिंग पर अवैध तरीके से विज्ञापन लगाए जा रहे हैं। इससे अनुमति लेकर विज्ञापन लगाने वाली एजेंसियों को आर्थिक

नुकसान हो रहा है। यह याचिका एसएस कंपनी ने दायर की थी, जो विज्ञापन लगाने का काम करती है। याचिका में कहा गया था कि नगर निगम को शुल्क का भुगतान कर शहर में यूनिपोल और होर्डिंग के स्ट्रक्चर लगाने की अनुमति मिलती है। इसके बाद उन पर विज्ञापन प्रदर्शित किए जाते हैं, लेकिन शहर में जब धार्मिक या राजनीतिक आयोजन होते हैं, तो उन होर्डिंगों पर अवैध तरीके से बैनर लगा दिए जाते हैं। इसके लिए एजेंसी को कोई शुल्क भी नहीं चुकाया जाता और पहले से लगे विज्ञापनों को भी नुकसान पहुंचाया जाता है।शहर में अब सावन में कावड़ यात्राएं निकलने वाली है। इसके होर्डिंग अभी से कई जगह लग चुके है। ये होर्डिंग उन स्ट्रक्चर पर लगे है, जिसका शुल्क एजेसियां नगर निगम को भरती है। शहर में कितने अवैध होर्डिंग हैं, इसका नगर निगम की ओर से कभी आधिकारिक सर्वे नहीं कराया जाता। शहर में जब भी किसी जननेता का आगमन होता है, सड़कों पर अवैध होर्डिंग लगा दिए जाते हैं, लेकिन उन्हें तत्काल नहीं हटाया जाता। बाद में नगर निगम का अमला उन्हें हटाता है। नगर निगम की राजस्व समिति के प्रभारी निरंजन चौहान का कहना है कि समय-समय पर अवैध होर्डिंग हटाने का अभियान चलाया जाता है।

जनसमस्याओं और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को उजागर करने वाले साहसी, कर्मठ साथियो की दैनिक अखबार और न्यूज़ चैनल में आवश्यकता है...जो लेखनी और भाषा का दक्ष हो।
इच्छुक व्यक्तित्व संपर्क करें -
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com
DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
You Tube Detective Group Report
SUBSCRIBE
समाचार और विज्ञापन के लिए संपर्क करें
+91 9111156060

भीड़ का दबाव कम करने में सहायक होंगे नए रेलवे स्टेशन

सिंहस्थ: 2028 के दृष्टिगत बढ़ाई जा रही रेल सुविधाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आगामी सिंहस्थ : 2028 के दृष्टिगत रेलवे सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। हर विभाग में नए कीर्तिमान गढ़े जा रहे हैं। भोपाल को निशातपुरा के रूप में चौथे रेलवे स्टेशन की सौगात मिली है। गत 12 साल में रेलवे का "न भूतो न भविष्यति" विकास हुआ है। भारतीय रेलवे में द्रुत गति से विकास कार्य हो रहे हैं। यह निशातपुरा स्टेशन के शुभारंभ से अब नई दिल्ली से उज्जैन-इंदौर की ओर जाने वाली रेलगाड़ियों को ट्रैक और इंजन बदलने की जरूरत नहीं होगी। निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर 2 ट्रेनों के ठहराव (स्टापेज) से यात्रियों को नई सौगात मिली है। निशातपुरा रुकने वाली ट्रेनें शिव और शक्ति की प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को भोपाल के नव विकसित निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर 2 रेल गाड़ियों- डॉ.

अंबेडकर नगर-श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा मालवा एक्सप्रेस और वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन के निशातपुर स्टेशन पर नए ठहराव (स्टॉपेज) के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मालवा एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया।

अब नई दिल्ली से उज्जैन-इंदौर आने-जाने के लिए बचेगा समय-

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय रेलवे के माध्यम से उज्जैन सिंहस्थः 2028 को लेकर लगातार सौगातें मिल रही हैं। सिंहस्थ : 2028 के आयोजन में अनुमानित 40 करोड़ श्रद्धालु मध्यप्रदेश आएंगे। ऐसे में नए रेलवे स्टेशन यात्रियों की भीड़ का दबाव कम करने में अहम भूमिका निभाएंगे। निशातपुरा क्षेत्र में 14 करोड़ की लागत से विकसित निशातपुरा स्टेशन नागरिकों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा। यहां अनेक नई सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। नई दिल्ली से उज्जैन-इंदौर आने-जाने के लिए समय बचेगा। भोपाल मुख्य स्टेशन जाए बिना डायरेक्ट ट्रेन मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब किसी क्षेत्र में रेल लाइन आती है, तो यात्री सुविधाओं के साथ व्यापार, कृषि और माल ढुलाई आदि कार्यों में सुविधा मिलती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव मध्यप्रदेश में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए पूर्ण सहयोग कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश के लिए भारत सरकार ने रेल बजट में की 24 गुना बढ़ोतरी-

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय रेलवे व्यापार-व्यवसाय की सुगमता और रोजगार बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। भारतीय रेल का नेटवर्क इतना बड़ा है, जिसमें कई देशों की कुल आबादी के बराबर लोग हमारी ट्रेनों में सफर कर रहे होते हैं। देश में रेलवे के 70 मंडल मुख्यालय हैं। मध्यप्रदेश में रेलवे ट्रैक का शत प्रतिशत विद्युतीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है। भारतीय रेलवे ने वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक रेल गाड़ियों की शुरुआत की है। अब भोपाल के पास ट्रेनों के आधुनिक कोच तैयार किए जाएंगे। देश के साथ ही मध्यप्रदेश बदल रहा है। वर्ष 2009 से 2014 तक मध्यप्रदेश में रेलवे का बजट केवल 632 करोड़ रुपए था, जो अब वर्ष 2026-27 तक 15 हजार 288 करोड़ रुपए हो गया है। भारत सरकार ने प्रदेश के लिए रेल बजट में 24 गुना वृद्धि की है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में रेलवे के 1 लाख 18 हजार करोड़ लागत के नए कार्य जारी हैं। वर्ष 2014 के बाद प्रदेश में 2800 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइनों का निर्माण हुआ है, जो डेनमार्क देश की कुल सीमा से भी अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में जहां एक दिन में मात्र 4 किलोमीटर रेलवे ट्रैक तैयार होता था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में ट्रैक बिछाने की रफ्तार 34 किलोमीटर प्रतिदिन है।

कॉफी टेबल बुक 'एमपीआरडीसी

कनेक्टिंग पीपुल थ्रू क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर' का किया विमोचन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉफी टेबल बुक 'एमपीआरडीसीः कनेक्टिंग पीपुल थ्रू क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर' का मंत्रालय में विमोचन किया। यह पुस्तक लोक निर्माण विभाग और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा, प्रदेश के आधारभूत ढांचे के विकास, आधुनिक सड़क संपर्क और सतत प्रगति की प्रेरणादायक यात्रा को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से इकोनॉमिक टाइम्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स के सहयोग से तैयार की गई है। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

यह कॉफी टेबल बुक, विभाग की उपलब्धियों, नवाचारों और भविष्य की विकास दृष्टि का एक समग्र दस्तावेज है। पुस्तक प्रदेश के विकास में लोक निर्माण विभाग व मध्य प्रदेश सड़क सड़क विकास निगम की भूमिका और योगदान को रेखांकित करते हैं। पुस्तक में विभाग द्वारा क्रियान्वित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का आकर्षक और तथ्यपरक विवरण प्रस्तुत किया गया है। इस में विशेष रूप से हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल पर विकसित परियोजनाएं, एक्सप्रेस हाईवे, प्रमुख सड़क, फ्लाय ओवर्स एवं पुल निर्माण कार्य का उल्लेख किया गया है। प्रदेश के प्रमुख आर्थिक, औद्योगिक, धार्मिक व पर्यटन केंद्रों को जोड़ने वाली सड़क परियोजनाओं की प्रगति, प्रभाव और विकास यात्रा,नवीन एवं अभिनव पहल तथा विभाग द्वारा अपनाए गए आधुनिक तकनीकी एवं परियोजना प्रबंधन उपायों को भी पुस्तक में शामिल किया गया है। कॉफी टेबल बुक में लोक निर्माण विभाग व मध्यप्रदेश सड़क सड़क विकास निगम की भावी योजनाओं एवं भविष्य के रोडमैप को भी समाहित किया गया है।

कालीचरण महाराज बोले- विश्व में जहां इस्लाम, वहां अशांति रहेगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ब्यावरा, एजेंसी। राष्ट्रीय संत कालीचरण महाराज ने ब्यावरा में एक पत्रकार वार्ता के दौरान विवादित बयान दिया है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि इस्लाम के कारण पूरे जगत में अशांति है। 'विश्व में जहां-जहां इस्लाम रहेगा, वहां अशांति रहेगी।' कालीचरण महाराज तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव में शामिल होने ब्यावरा पहुंचे हैं। उन्होंने अपने बयान में आगे कहा कि इस्लाम के कारण पूरा विश्व अशांत है। महाराज ने दावा किया कि इस्लाम और क्रिश्चियन कोई धर्म नहीं हैं, बल्कि विश्व में एकमात्र सनातन धर्म ही वास्तविक धर्म है। कालीचरण महाराज ने अपने तर्क में कहा कि धर्म का लक्ष्य ईश्वर को प्राप्त करना होता है, जबकि इस्लाम में 72 हूरों की प्राप्ति को लक्ष्य बनाया गया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस्लाम में पुनर्जन्म और कर्मफल का कोई सिद्धांत नहीं है, इसलिए वे इसे धर्म नहीं मानते। उन्होंने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की पुरजोर वकालत की। महाराज ने हिंदुओं से जातिवाद से ऊपर उठकर एकजुट होने और राष्ट्रवादी सरकारों को स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सिख, जैन और बौद्ध सनातन परंपरा का ही हिस्सा हैं, और हिंदुओं को धर्म व राष्ट्र की उन्नति के लिए संगठित होकर कार्य करना चाहिए।

उज्जैन में गीता भवन का आज CM करेंगे लोकार्पण

'गुरु पूर्णिमा महोत्सव' और सांदीपनि अलंकरण समारोह में भी शामिल होंगे

प्राथमिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र भी देंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को मुख्यमंत्री शहर में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान वे देवास रोड स्थित 34 करोड़ से बने नए गीता भवन का लोकार्पण भी करेंगे। साथ ही आयोजित राज्य स्तरीय 'गुरु पूर्णिमा महोत्सव' एवं सांदीपनि अलंकरण समारोह में नव चयनित प्राथमिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम में 17 जिलों के लगभग एक हजार पात्र प्राथमिक शिक्षक शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गीता भवन में गुरु पूर्णिमा महोत्सव अंतर्गत महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व एवं सम्मान समारोह का आयोजन प्रातः 11:00 बजे से किया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा "मिशन बुनियाद" का शुभारंभ किया जाएगा व स्कूल शिक्षा विभाग में चयनित 7500 प्राथमिक शिक्षकों में से प्रतीकात्मक स्वरूप 10 नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र का वितरण, माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा में लगातार 3 वर्षों से 100% परीक्षा परिणाम देने वाले प्रदेश के 6 स्कूल प्राचार्यों का सम्मान, उज्जैन जिले से विभिन्न श्रेणियों में उपलब्धि प्राप्त करने वाले 2 प्राचार्यों एवं नेशनल मींस कम मेरिट परीक्षा में उज्जैन जिले की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एक विद्यार्थी का सम्मान भी किया जाएगा।

संपादकीय

डिजिटल अरेस्ट: अब नए कानून से कसेगा शिकंजा

डिजिटल अरेस्ट और डीफ फेक... नए जमाने के इन दो अपराधों के बारे में आपने कभी न कभी जरूर सुना होगा। पहले में डरा-धमकाकर वसूली की जाती है तो वहीं दूसरे का मकसद फेक फोटो या वीडियो की मदद से छवि खराब करना होता है। अब तक इन दोनों अपराधों की कोई एक परिभाषा तय नहीं की गई है और न ही इसे अंजाम देने वाले अपराधियों पर एक्शन लेने के लिए अलग से कोई सख्त कानून है। कानून की इस खामी को सुधारने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही नया बिल लाने जा रही है। जिसमें न सिर्फ इन दोनों अपराधों को अलग-अलग तय किया जाएगा, बल्कि इसे अंजाम देने वाले अपराधियों के लिए सजा भी तय की जाएगी। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट की समस्या से निपटने के तरीकों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान (Suo Motu) लिया था। सुनवाई के दौरान CJI सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा था कि SC ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और उन्हें जमानत देने से इनकार किया है, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाया कि क्या मौजूदा कानूनों में ऐसे अपराधों को परिभाषित किया गया है? सुप्रीम कोर्ट ने बताया था कि मौजूदा कानूनों में इन अपराधों की कोई परिभाषा नहीं है, जिस पर सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता ने कहा था कि नए कानून का मकसद डिजिटल अरेस्ट और AI-जनरेटेड डीपफेक को खास अपराधों की श्रेणी में रखना और उनके लिए सजा तय करना होगा। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से कहा था कि आपको (सरकार को) शायद आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' के मामले को औपचारिक रूप से परिभाषित करने की जरूरत पड़ सकती है। बेंच ने अटॉर्नी जनरल से पूछा कि इसमें जबरन वसूली, डकैती और संगठित अपराध जैसी बातें शामिल हैं। क्या आपको इसे एक अलग अपराध के तौर पर परिभाषित करने की जरूरत है, जिसमें आरोपी की संपत्ति जब्त करने जैसी सख्त सजा का प्रावधान हो? वेंकटरमणी 'डिजिटल अरेस्ट' की समस्या से निपटने के लिए बनाई गई एक उच्च-स्तरीय अंतर-विभागीय समिति के साथ समन्वय कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने कहा कि डिजिटल घोटालों से निपटने के लिए कानून बनाना सरकार का ही काम है। उन्होंने आगे कहा कि अब हमारे पास डीपफेक तकनीक है, जिसका इस्तेमाल लोगों को गुमराह करने या धोखाधड़ी और किसी और का रूप धरने के लिए किया जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी (खास) शक्तियों का इस्तेमाल करके हम न तो किसी अपराध को परिभाषित कर सकते हैं और न ही कोई नया अपराध बना सकते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बेंच को बताया कि सरकार ने इस मामले पर उनसे सलाह ली है और संभावना है कि संसद के मौजूदा सत्र में इससे जुड़ा कोई बिल पेश किया जाएगा।

OSHO कहिन

जब आपको अपनी ही निज दृष्टि से साफ साफ दिखाई देगा कि आप का आत्मा ही अब गुरू बनकर परमात्मा के रूप में आपका मार्गदर्शन कर रहा है । अर्थात आप स्वयं को ही दिया दिखा रहे हैं...जिसके पास कान हों वह सुन लें कि परमात्मा आत्मा से क्या कहता है ।

धर्म-कर्म

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता बताती है कि जहां सम्मान होता है, वहां रिश्ते मजबूत होते हैं

हर व्यक्ति अपने जीवन में प्रेम चाहता हैं। वो चाहता है कि उसकी बात सुनी जाए और उसकी भावनाओं को समझा जाए। लेकिन जब किसी रिश्ते में ये सारी बातें कम होने लगता है, तब दूरियां पैदा होने लगती हैं। श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता ऐसा ही एक अमर उदाहरण है, जो हर हम सभी को समझने की जरूरत है।

द्वारका नगरी अपने वैभव के लिए प्रसिद्ध थी। वहां के राजा भगवान श्रीकृष्ण थे। एक दिन उनके राजमहल के बाहर हाथ में एक छोटी-सी पोटली लिए फटे-पुराने वस्त्रों में एक साधारण ब्राह्मण खड़ा था। उसने द्वारपालों को अपना नाम सुदामा बताया। जैसे ही श्रीकृष्ण को यह समाचार मिला, वे सबकुछ छोड़ कर नंगे पांव ही अपने मित्र की ओर दौड़े पड़े। वहां मौजूद सभी लोग यह देखकर असमंजस में पड़ गए। द्वारका के महाराज ने उन्हें गले लगाया और उनकी आंखों से अश्रु की धार फूट पड़ी। श्रीकृष्ण ने सुदामा के वस्त्र नहीं देखे और न ही उनकी आर्थिक स्थिति देखी। उन्होंने सिर्फ अपने मित्र का दिल से सम्मान किया।

यह प्रसंग हमें सिखाता है कि हर रिश्ता केवल शब्दों से नहीं चलता, बल्कि उस भावना से चलता है जो सामने वाले को यह विश्वास दिलाती है कि उसकी मौजूदगी कितना मायने रखता है।

जीवन की सबसे बड़ी सीख

प्रेम और परिस्थितियां समय के साथ बदल सकता है। लेकिन जिस रिश्ते में एक दूसरे के प्रति सम्मान बना रहता है, वहां विश्वास कभी खत्म नहीं होता। सम्मान रिश्तों को टूटने नहीं देता। हर कठिन दौर में उसे संभाले रखता है। इसलिए किसी का सम्मान उसके पद और पैसे से नहीं, उसके चरित्र से करना चाहिए।

आज का मंत्र

1. आज कम से कम एक व्यक्ति की बात बिना टोके पूरी सुनिए।
2. अपने किसी पुराने मित्र से किसी स्वार्थ के बात कीजिए।
3. घर और कार्यस्थल पर किसी के छोटे-से योगदान के लिए दिल से धन्यवाद कहिए।
4. दूसरों के प्रति सम्मान को कभी कम न होने दीजिए।

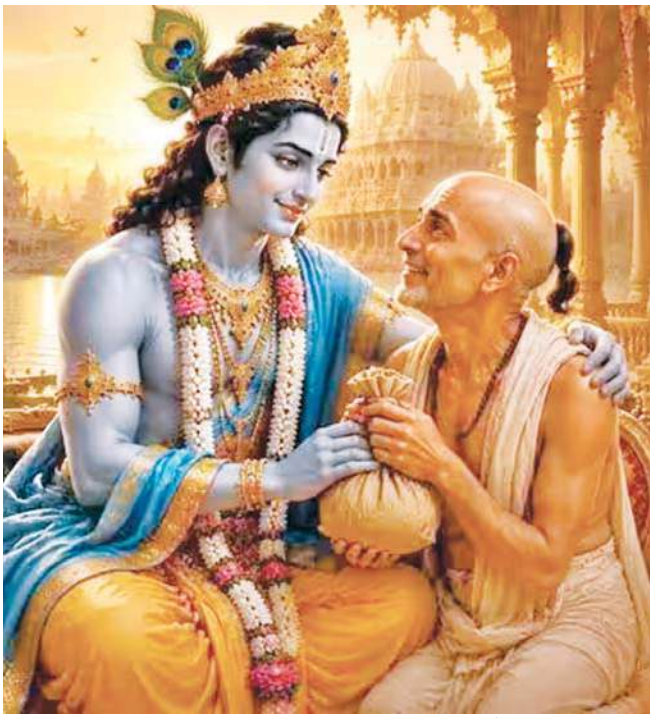

आज का आत्ममंथन- क्या आपके जीवन में भी कोई ऐसा रिश्ता है, जहां सम्मान की कमी के चलते दूरियां बढ़ गई हों? अगर हां, तो आज आपके लिए उस दूरी को कम करने के लिए सबसे सही समय है।

New Delhi

भारत पर 100% टैरिफ का खतरा... चिंता में चीन, यूएस में शुरू हो रहा ये काम

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारत और चीन के ऊपर 100% ट्रंप टैरिफ (Trump 100% Tariff) का खतरा मंडरा रहा है. दरअसल, अमेरिकी सीनेट में रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक पर वोटिंग शुरू होने वाली है. खासतौर पर रूस को टारगेट करने वाले व्यापक प्रतिबंध विधेयक पर मतदान की तैयारी पूरी कर ली गई है और इसका भारत, चीन जैसे देशों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जो रूसी कच्चे तेल के दुनिया के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है.

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सीनेट में जिस विधेयक पर वोटिंग होने जा रही है, उसका उद्देश्य रूस पर प्रतिबंध लगाकर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उन देशों पर भी 100% तक टैरिफ लगाने का अधिकार देना है, जो बड़ी मात्रा में रूसी तेल (Russian Oil) और गैस (Russian Gas) खरीदना जारी रखे हुए हैं. यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण को लेकर उस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है. अमेरिकी सीनेट में रूसी बैन से जुड़े विधेयक पर वोटिंग ठीक उसी दिन होगी, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की लिंडसे ग्राहम के अंतिम संस्कार के दिन कैपिटल हिल का दौरा करेंगे. इस विधेयक को दिवंगत ग्राहम को श्रद्धांजलि के रूप में पेश किया जा रहा है. रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्तावित कानून का नाम बदलकर अब 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' कर दिया गया है.

New Delhi

कश्मीर में फटा बादल, हिमाचल-उत्तराखंड में 290 सड़कें बंद

आज भी मूसलाधार बारिश के आसार, IMD क्या बोला?

शिमला/श्रीनगर/नई दिल्ली, (एजेंसी) भारी बारिश के चलते पहाड़ों पर भारी तबाही हुई है। उत्तराखंड और हिमाचल में भूस्खलन व बारिश के चलते करीब 290 सड़कें बंद हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में बादल फटने सैलाब के रूप में भारी मलबा नीचे आया और कई घरों में भर गया। बारिश और तेज आंधी से कई पेड़ भी गिर गए। 28-29 जुलाई की दरम्यानी रात जारी पूर्वानुमान में मौसम विभाग ने कहा, उत्तरी आंतरिक ओडिशा और दक्षिणी झारखंड और छत्तीसगढ़ के आसपास के क्षेत्रों में गहरा दबाव पिछले 6 घंटों में 18 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके उत्तरी आंतरिक ओडिशा और उत्तरी छत्तीसगढ़ से होते हुए लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है। IMD के मुताबिक उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 20 राज्यों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कहा, कल यानी 28 जुलाई भारतीय समयानुसार रात 11:30 बजे गहरे दबाव का क्षेत्र उत्तरी ओडिशा और दक्षिणी झारखंड और छत्तीसगढ़ के आसपास के क्षेत्रों में था। झारसुगुड़ा (ओडिशा) से लगभग 30 किमी पूर्व, राउरकेला (ओडिशा) से 60 किमी दक्षिण-पश्चिम, संबलपुर (ओडिशा) से 70 किमी उत्तर-पूर्व, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से 110 किमी पूर्व और क्योंझरगढ़ (ओडिशा) से 120 किमी पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में केंद्रित इस गहरे दबाव के कारण तीनों राज्यों में झमाझम बारिश हुई। बारिश से गर्मी भी कम हुई और झारखंड में मंगलवार को तापमान 20-25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

Jharkhand

एक करोड़ का इनामी मिसिर बेसरा गिरफ्तार

रांची, (एजेंसी) झारखंड से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का इनामी और टॉप माओवादी मिसिर बेसरा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी झारखंड के धनबाद जिले से हुई। मिसिर की गिरफ्तारी को पुलिस एक बड़ी सफलता मान रही है। बता दें कि माओवादियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जाते रहे हैं।

जनवरी 2026 में भी झारखंड में एक करोड़ का इनामी माओवादी कमांडर अनल दा उर्फ तूफान मारा गया था। झारखंड के सारंडा जंगलों में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में अनल दा मारा गया था। कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में कुल 8 माओवादी ढेर हुए थे, जिसे सुरक्षाबलों ने बड़ी कामयाबी माना था। अनल दा उर्फ तूफान का असली नाम पतिराम मांझी उर्फ पतिराम मरांडी उर्फ रमेश था और वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) यानी CPI (माओ) का सेंट्रल कमिटी सदस्य (CCM) था। वह माओवादियों का रणनीतिकार था और संगठन की योजनाएं बनाने में माहिर था।

Bihar

बिहार में पेपर लीक का बड़ा चेहरा डॉ. मनीष अरेस्ट, प्रश्नपत्र के सीलबंद बक्से को खोलने और दोबारा सील करने का है एक्सपर्ट

पटना, (एजेंसी) बिहार में पेपर लीक माफिया के खिलाफ बड़ा एक्शन हुआ है. बीपीएससी शिक्षक बहाली पेपर लीक मामले में इकोनॉमिक ऑफेंस यूनिट ने डॉ. मनीष कुमार को गिरफ्तार किया है. उसे प्रश्नपत्र के सीलबंद बक्से को बिना नुकसान पहुंचाए खोलने और दोबारा सील करने का एक्सपर्ट माना जाता है.

मनीष और उसके नेटवर्क पर 30 अभ्यर्थियों से लगभग 1.20 करोड़ रुपये वसूलने का आरोप है. वह पहले सरकारी डॉक्टर था, लेकिन नौकरी छोड़कर पटना में नीट-पीजी की तैयारी कर रहा था. EOU सूत्रों के मुस्ताबिक, डॉ. मनीष अपने सहयोगियों डॉ. शिव और डॉ. शुभम के साथ मिलकर पेपर लीक गिरोह ऑपरेट कर रहा था.

मनीष की गिरफ्तारी पेपर लीक के खिलाफ बड़ी कामयाबी मानी जा रही है. मनीष और उसके गैंग पर आरोप है कि उन लोगों ने टीआरई पेपर लीक कांड में 15 मार्च 2024 की परीक्षा से पहले पटना के एक होटल में 30 अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया था.

खेल

कॉमनवेल्थ गेम्स में गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

10000 मीटर की रेस में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय, अद्भुत कमबैक ने दिलाया सिल्वर

नई दिल्ली, (एजेंसी) कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 से एथलेटिक्स ट्रैक पर भारत के लिए ऐतिहासिक खुशखबरी सामने आई है। 27 वर्षीय भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10000 मीटर रेस में देश के लिए सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। वह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। ग्लासगो की भीगी हुई, बरसाती रात और कठिन परिस्थितियों के बावजूद गुलवीर ने अपनी सहनशक्ति और अंत में लगाई गई तूफानी दौड़ से पूरे मुकाबले का रुख ही बदल दिया।

शुरुआत में बनाई पकड़ लेकिन फिर पिछड़े- 10,000 मीटर की इस कांटे की टक्कर वाली रेस में गुलवीर ने शुरुआत से ही अपनी मंशा साफ कर

दी थी। 1000 मीटर मार्क और उसके बाद 3000 मीटर का पड़ाव पार होने तक गुलवीर तीसरे पायदान पर मजबूती से बने हुए थे। हालांकि, रेस का आधा सफर (5000 मीटर) पूरा होते-होते प्रतिद्वंद्वियों के दबाव के कारण वह फिसलकर छठे स्थान पर आ गए। 7000 मीटर के मार्क तक गुलवीर संघर्ष करते दिखे और पांचवें नंबर पर रहे, जिससे एक पल के लिए ऐसा लगा कि पोडियम फिनिश हाथ से निकल सकती है।

आखिरी लैप में पलटी बाजी: 4वें स्थान से सीधे सिल्वर पर कब्जा- मुकाबले के आखिरी 3000 मीटर में गुलवीर ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। रेस के अंतिम चक्कर में जब बेल बजी, तब गुलवीर चौथे स्थान पर चल रहे थे। इसके बाद उन्होंने जो गियर बदला उसने सभी को हैरान कर दिया। गुलवीर ने असाधारण पेसिंग का प्रदर्शन करते हुए आखिरी लैप में सामने चल रहे दो धावकों को पछाड़ दिया और दूसरे स्थान पर कब्जा जमाते हुए सिल्वर मेडल भारत के नाम कर दिया।

एशियन गेम्स के ब्रॉन्ज के बाद CWG में पहला पदक- इससे पहले 2022 एशियन गेम्स में 10,000 मीटर में कांस्य पदक जीत चुके गुलवीर सिंह का राष्ट्रमंडल खेलों में यह पहला पदक है। रेस के बीच में पिछड़ने के बावजूद जिस तरह से उन्होंने अंतिम पलों में आक्रामक खेल दिखाया उसने न केवल उनके व्यक्तिगत करियर में एक नया मुकाम जोड़ा है, बल्कि ग्लासगो में भारतीय एथलेटिक्स के सफर को भी एक नया मुकाम दिया है।

सिनेमा

'मेरा कजिन मुझे गंदे तरीके से छूता था', 'लॉक अप 2' में श्रेया कालरा ने किया दर्दनाक खुलासा, बचपन में हुई यौन शोषण का शिकार

कंटेंट क्रिएटर और एक्ट्रेस श्रेया कालरा रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में सबसे दमदार कंटेस्टेंट में से एक रही हैं। अब तक शो में उनके तीनों में से कोई भी राज सामने नहीं आया था। यह सिलसिला 27वें एपिसोड में टूटा, जब आकांक्षा चौधरी ने एक टास्क के दौरान श्रेया का राज सबके सामने लाने और उन्हें मुश्किल में डालने की कोशिश की। श्रेया को आगे आना पड़ा और 'कजिन' कीवर्ड के साथ अपना राज बताना पड़ा। उनका राज खुलाते ही सभी इमोशनल हो गए। दूसरी ओर, श्रेया को रोता देख आकांक्षा को बाद में पछतावा होता है। अपना राज बताने के पहले श्रेया ने कहा, 'मैं अपने राज बचाकर रखना चाहती थी इसलिए नहीं कि मुझे फिनाले में जाना है, क्योंकि मुझे यकीन है कि मैं फिनाले तक पहुंच सकती हूं। मैंने शो को इतना कुछ दिया है, लेकिन मैंने आकांक्षा से गुजारिश की थी कि वह मेरा राज न बताए, क्योंकि मुझे पता है कि इससे मेरे परिवार में भी बहुत सी चीजें बिगड़ सकती हैं।' यह सुन आकांक्षा चौधरी हैरान हो जाती है और बाकी लोग भी सोच में पड़ जाते हैं।

Highlights

1. **Parliamentary panel summons Meta, X, Snapchat & Google on August 3**
2. **Generation gutter, can't be homemakers: Kangana on women who took part in CJP protests**
3. **Mehbooba Mufti announces protests for restoration of Article 370**
4. **Red alert issued in Delhi-NCR amid heavy rainfall; pics show waterlogging, traffic jam**
5. **Coast Guard personnel who go missing at sea to be 'presumed dead' for ex gratia purposes**

Bitcoin falls to $63,000 as Fed uncertainty, crypto bill delays fuel sell-off; analysts see bottom forming

NEW DEIHI, (Agency). Bitcoin price falls to a 10-day low amid market pressure. Bitcoin (BTC) dropped more than 2% on Tuesday, falling to just above $63,000 per token, marking its lowest level in about 10 days. The world's largest cryptocurrency has struggled to regain momentum after months of weakness, with traders watching several factors that could decide its next move.

The decline came as investors became more cautious because of weakness in artificial intelligence-related stocks, uncertainty around the Federal Reserve's next interest rate decision, and concerns over delays in major crypto legislation in the US.

AI stock sell-off, Fed uncertainty and crypto law delays hurt Bitcoin sentiment. Bitcoin's recent decline was linked to broader market pressure, especially the sharp fall in AI-related stocks that affected investor confidence across risk assets. Investors are also waiting for signals from the Federal Reserve about future monetary policy, as interest rate decisions often influence demand for riskier assets like cryptocurrencies, according to Yahoo Finance.

Bitcoin regulation worries

At the same time, hopes around a major crypto regulation bill in Congress have weakened as lawmakers face a deadline before the August recess. Prediction market Polymarket showed the odds of the Clarity Act passing this year fell to 35% from 55% earlier this month, reflecting weaker confidence among traders.

Analyst says Bitcoin could find support near $55,000 if sell-off continues. Bitcoin could face more weakness if the crypto legislation fails to move forward, but analysts believe the decline could create a buying opportunity.

Compass Point analyst Ed Engel said Bitcoin may find strong support near the $55,000 level if prices fall further. "If Clarity Act doesn't pass, we see very strong support near ~$55k and would be buyers if BTC sells off this far," said Engel in a note on Monday night, as noted by Yahoo Finance.

Fed decision in focus

Fed decision becomes a key factor for Bitcoin's next move. Investors are closely watching the Federal Reserve's policy decision scheduled for Wednesday, as the central bank's message could influence Bitcoin prices.

"For crypto, I continue to view the Fed's messaging around financial conditions and inflation as more important than the policy decision itself," said Sean Farrell, head of digital assets at Fundstrat, via Yahoo Finance. "My view is that we receive another 'hawkish hold,' but one must respect the non-negligible possibility of a rate hike," he said.

ऑपरेशन के तीन दिन बाद ब्यूटी पार्लर संचालिका की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र स्थित नोबल अस्पताल में पथरी के ऑपरेशन के तीन दिन बाद 25 वर्षीय ब्यूटी पार्लर संचालिका पूजा सिसोदिया की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। मंगलवार को पूजा के शव का पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दूधिया निवासी पूजा सिसोदिया को 22 जुलाई को पथरी के ऑपरेशन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार 23 जुलाई को डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने उनका ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद पूजा का यूरिन आना बंद हो गया। इसकी जानकारी डॉक्टर को दी गई, लेकिन उन्हें बताया गया कि स्थिति सामान्य है और जल्द ठीक हो जाएगी। परिजनों का आरोप है कि तबीयत लगातार बिगड़ने पर 25 जुलाई को पूजा को जूनी इंदौर स्थित एवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने संक्रमण (इन्फेक्शन) होने की जानकारी दी। अगले दिन 26 जुलाई को उनकी हालत और गंभीर हो गई तथा उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें लेप्रोस्कोपिक (दूरबीन) सर्जरी की जानकारी दी गई थी, जबकि बाद में ओपन सर्जरी किए जाने की बात सामने आई। पूजा का आठ वर्षीय बेटा है। पति से तलाक के बाद वह मायके में रहकर ब्यूटी पार्लर संचालित कर परिवार का पालन-पोषण कर रही थीं। उनके पिता का भी चार महीने पहले निधन हो चुका है। मामले में जूनी इंदौर थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया है। एमवाय अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया है, जिसकी वीडियोग्राफी भी की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट करीब एक महीने में आने की संभावना है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, ऑपरेशन करने वाले डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हुई। उनके अनुसार पूजा का एक गुर्दा पहले से ही कम कार्य कर रहा था, जिसके कारण बाद में डायलिसिस की आवश्यकता पड़ी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऑपरेशन लेप्रोस्कोपिक तकनीक से ही किया गया था, ओपन सर्जरी नहीं की गई।

कॉलेज छात्रों के दो गुट भिड़े बेसबॉल बैट और पत्थरों से हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक निजी कॉलेज के छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट, बेसबॉल बैट और पत्थरों से हमला करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, एनएमआईएमएस कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र अक्षत कटारिया ने शिकायत में बताया कि वह कॉलेज के सामने एक दुकान पर चाय पी रहा था। इसी दौरान कॉलेज के छात्र ऋषि भदवार और तनिष्क रघुवंशी वहां पहुंचे और पार्टी करने की बात को लेकर विवाद करने लगे। कहासुनी के बाद दोनों ने उसके साथ मारपीट की, जमीन पर पटक दिया और पत्थरों से हमला कर घायल कर दिया। शोर सुनकर उसके दोस्त मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। वहीं दूसरे पक्ष से छात्र पर्व देसाई ने शिकायत दर्ज कराई कि वह कॉलेज के बाहर एक कैफे में दोस्तों के साथ बैठा था। इसी दौरान अक्षत कटारिया अपने साथियों दिव्यांश कुसुमाकर, अर्पित जाट, इशित गौर, आयुष मित्तल और कार्तिकेय कुसुमाकर के साथ वहां पहुंचा और ऋषि के बारे में पूछताछ करने लगा। जानकारी नहीं देने पर आरोपियों ने बेसबॉल बैट और पत्थरों से हमला कर दिया। पर्व ने आरोप लगाया कि राजेंद्र नगर के पुराने विवाद को लेकर हमला किया गया, जिसमें उसे और ऋषि भदवार को चोटें आईं। घटना के दौरान अन्य छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग गए। पुलिस ने दोनों पक्षों का मेडिकल परीक्षण कराया है और मामले की जांच जारी है।

ब्राउन शुगर के साथ धराया बदमाश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने 12.50 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक बदमाश को पकड़ा। उस पर पहले से ही 15 आपराधिक मामले दर्ज है। क्राइम ब्रांच ने घटना में इस्तेमाल एक कार भी जब्त की है।

टीम ने टिगरिया बादशाह रोड, टीसीएस चौराहे के पास घेराबंदी की थी। जहां से बदमाश को पकड़ा। डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया पकड़ाए बदमाश का नाम अरविंद (37) पिता गोपीलाल सोलंकी निवासी भीमनगर, राजेंद्र नगर है। वह पिछले 15 सालों से ड्राइवर का काम कर रहा है। उस पर 15 आपराधिक मामले दर्ज है। अरविंद के पास से 12.50 ग्राम ब्राउन शुगर जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 20 हजार रुपए और एक सफेद रंग की कार जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रुपए, जब्त की है। सोमवार को क्राइम ब्रांच की टीम गश्त व नजर रख रही थी। इस दौरान सूचना पर टीम ने टिगरिया बादशाह रोड, टीसीएस चौराहे के पास कार सवार को रोका। टीम को देख वह हड़बड़ाने लगा। जब टीम ने तलाशी ली तो उसके पास से 12.50 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। टीम ने उसे गिरफ्तार किया और ब्राउनशुगर व कार जब्त की। टीम उससे पूछताछ कर रही है कि वह ब्राउन शुगर कहां से लेकर आया, किसे सप्लाई करने जा रहा था और इस मामले में और किन लोगों की भूमिका है।

बर्थडे के अगले दिन बच्ची आग से झुलसी, मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जिले की देपालपुर तहसील के ग्राम कुनगारा में सोमवार की सुबह आग से झुलसने से बच्ची की मौत हो गई। रसोई में खाना बनाते समय मां की साड़ी में आग लगने से उसकी दो वर्षीय बेटी भी चपेट में आ गई। गंभीर रूप से झुलसी बच्ची ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि उसकी मां का उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, काजल खाना बना रही थी, तभी उसकी साड़ी में आग लग गई। काजल मूक-बधिर है, इसलिए वह मदद के लिए चिल्ला नहीं सकी। उसने खेत पर काम कर रहे परिजन को वीडियो कॉल कर हादसे की जानकारी दी।

इसके बाद परिजन ने उसके मायके पक्ष को सूचना दी, लेकिन तब तक उसकी दो वर्षीय बेटी सृष्टि, पुत्री अनिल चौहान, भी आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस चुकी थी। दोनों को तत्काल गंभीर अवस्था में इंदौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान सृष्टि ने दम तोड़ दिया। काजल का निजी अस्पताल में उपचार जारी है। राजेंद्र नगर पुलिस ने शून्य पर मर्ग कायम कर मामला देपालपुर पुलिस को सौंप दिया है। एक दिन पहले ही परिवार ने सृष्टि दूसरा जन्मदिन बड़े उत्साह के साथ मनाया था।

सृष्टि के मामा मनीष ने बताया कि वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। उसके पिता पेशे से किसान हैं। घटना से कुछ देर पहले काजल की अपनी मां से फोन पर बात हुई थी। उस समय सृष्टि उसकी गोद में ही बैठी थी। हादसा होने पर काजल ने सबसे पहले मां को वीडियो कॉल किया, क्योंकि उनका नंबर उसके फोन में डायल सूची में था। इसके बाद मनीष ने अन्य परिजन को घटना की जानकारी दी। परिजन के मुताबिक, हादसा गैस की पाइप (नली) में आग लगने से हुआ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक